भारत सरकार

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

बायोटेक्नोलॉजी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2009

उत्तर देने की तारीख : 11 फरवरी, 2026

मुजफ्फरनगर में बायोटेक रिसर्च हब

2009. श्री हरेन्द्र सिंह मलिक:

क्या विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार गन्ने की पैदावर बढ़ाने और फसल को बीमारियों से बचाने के लिए मुजफ्फरनगर में एक स्थानीय बायोटेक अनुसंधान केन्द्र स्थापित करने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार गन्ना किसानों को लागत प्रभावी कीटनाशकों के छिड़काव में प्रशिक्षित करने के लिए ड्रोन शक्ति मिशन के अंतर्गत मुजफ्फरनगर जिले में विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्लस्टर स्थापित करने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार मुजफ्फरनगर में पेपर मिलों से छोड़े जाने वाले अपशिष्ट जल के शोधन के लिए वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के माध्यम से कोई वहनीय स्वदेशी जल पुनर्चक्रण प्रौद्योगिकी साझा की जा रही है और यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या मुजफ्फरनगर की पंचायतों को मृदा उर्वरता की तत्काल जांच करने के लिए पोर्टेबल मृदा परीक्षण किट उपलब्ध कराने के लिए कोई योजना तैयार करने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेन्द्र सिंह)

(क) **से (घ)** सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग (डीए एंड एफडब्ल्यू) के माध्यम से मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता योजना द्वारा उर्वरकों के विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देती है। सभी कृषि जोतों के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड (एसएचसी) उपलब्ध कराने के लिए इस योजना को वर्ष 2014-15 से कार्यान्वित किया जा रहा है, ताकि उत्पादकता और मृदा उर्वरता में सुधार के लिए संतुलित और एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन को बढ़ावा दिया जा सके। मृदा के नमूनों को मानक प्रक्रियाओं के अनुसार संसाधित किया जाता है और पीएच, विद्युत चालकता, और्गेनिक कार्बन, उपलब्ध नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटैशियम, सल्फर और सूक्ष्म पोषक तत्वों (जिंक, कॉपर, आयरन, मैंगनीज और बोरॉन) जैसे मापदंडों के आधार पर इसका विश्लेषण किया जाता है। वर्ष 2014-15 से अब तक देश भर में कुल 25.79 करोड़ मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी/वितरित किए जा चुके हैं। देश भर में कुल 8302 मृदा परीक्षण प्रयोगशालाएं (1082 स्थिर मृदा परीक्षण प्रयोगशालाएं, 163 चल मृदा परीक्षण प्रयोगशालाएं, 6376 लघु मृदा परीक्षण प्रयोगशालाएं और 681 ग्राम स्तरीय मृदा परीक्षण प्रयोगशालाएं) स्थापित की गई हैं। जहां तक मुजफ्फरनगर में ग्राम स्तरीय मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना का संबंध है, उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान एवं मृदा सर्वेक्षण विभाग ने सूचित किया है कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएमआरकेवीवाई) के तहत, वित्तीय वर्ष 2025-26 में, मुजफ्फरनगर जिले के लिए 2 ग्राम स्तरीय मृदा परीक्षण प्रयोगशालाएं (वीएलएसटीएल) स्थापित करने का लक्ष्य स्वीकृत किया गया है।

****